

an>

Title: Regarding regularization of services of casual announcers working in Prasar Bharati (All India Radio).

श्री लखन लाल साहू (बिलासपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से यह संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि, भारतवर्ष में आज प्रसार भारती के अंतर्गत आकाशवाणी के 112 प्राथमिक केंद्र, 78 लोकल रेडियो स्टेशन, 37 विविध भारती केंद्र और 20 एफ.एम. रेनबो स्टेशन संचालित हो रहे हैं... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं होता है। आप लोग वहाँ की बातें यहाँ मत करिए।

â€!(व्यवधान)

श्री लखन लाल साहू: इनमें हजारों की संख्या में अनुभवी केज्युल कर्मी वर्षों से कार्य कर रहे हैं। हम सभी लोग विगत कई वर्षों से आकाशवाणी की आवाज सुनते आ रहे हैं और पिछले कई वर्षों से ये केज्युल कर्मी इसमें अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

मैं छत्तीसगढ़ राज्य के बारे में बताना चाहूँगा। यहाँ रायपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, बिलासपुर और रायगढ़ में पांच आकाशवाणी केंद्र संचालित हो रहे हैं। इन केंद्रों में मात्र दो प्रतिशत ही नियमित उद्घोषक हैं। जो उद्घोषणा के साथ-साथ अन्य काम भी करते हैं, जैसे रिकॉर्डिंग, एडिटिंग, प्रोग्राम मेकिंग, कम्पाइलिंग फोन इन लाइव प्रोग्राम और लॉग बुक भरने जैसे अनेक कार्य करने में दक्ष हैं। ... (व्यवधान) मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहता हूँ कि इन पदों पर विगत 25 वर्षों से भारती की स्थायी प्रक्रिया नहीं हो पायी है। नव योजनार सृजित करने से पूर्व उपरोक्त लोगों को अनुभव के आधार पर पहली प्राथमिकता दिए जाने की आवश्यकता है। ... (व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से सूचना एवं प्रसारण मंत्री से मांग करता हूँ कि ऐसे उद्घोषकों को नियमित करते हुए, भारती प्रक्रिया को शुरू किया जाए और जो अनियमित उद्घोषक हैं, उनको नियमित करने की कृपा की जाए। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सर्वश्री सुधीर गुप्ता, आलोक संजर, रोडमल नागर, शैले प्रसाद मिश्र, शरद त्रिपाठी और वीरन्द्र कश्यप को श्री लखन लाल साहू द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : Please go back to your seats. यह अच्छी बात नहीं है। No, I cannot allow you. I am sorry.

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री खाड़गे जी, आप मेरी बात सुनिए। दूसरे सदन की बात यहाँ पर नहीं उठाने देंगे। बात यह है कि दो दिनों से शून्यकाल नहीं हुआ है। आप सभी लोगों का अधिकार मार रहे हैं। यह उचित बात नहीं है।

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : I cannot allow you. I am sorry. आप दूसरे सदस्यों का अधिकार मारते हैं।

â€!(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record except the submission of Shri P. Karunakaran.

â€!(Interruptions)â€! *